

❖ गुप्तकालीन शासकों का राजनीतिक इतिहास

श्रीगुप्त — दशरथचक्र — चंद्रगुप्त -I —
(1) (2) (3)
संस्थापक वास्तविक संस्थापक

= गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है। गौतमी के पतन के पश्चात् नष्ट हुयी भारत की राजनीति एकता को गुप्त शासकों ने पुनः अर्जित किया तथा लगभग सम्पूर्ण भारत को एक राजनीतिक दृष्टि के अधिन कर भारत की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखा।

गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था जबकि इससे पश्चात् दशरथचक्र गुप्त शासक बना। ये दोनों क्रमजोर शासक थे और महज की 'महाराजा' की उपाधि से अपने को संतुष्ट कर रहे थे। गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक चंद्रगुप्त -I था।

❖ चंद्रगुप्त -I

= समय - 319-35 A.D.

= चंद्रगुप्त गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने "महाराजाधिराज" की उपाधि धारण की।

= इसने अपने वंश की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिये उसने लिच्छवि राजकुमारी 'कुमारदेवी' के साथ शादी की। जिस उपलब्ध में उसने राजदंपति भौति के सोने के सिक्के (अथवा जिनको लिच्छवि प्रकार या विवाह प्रकार अथवा राजाशानी प्रकार का सिक्का भी कहा जाता है) जारी किये।

नोट :- चंद्रगुप्त -I का वैवाहिक संबंध इतना मजबूत था समुद्रगुप्त भी अपने सिक्कों में 'लिच्छविदौहित्र' का

स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है।

✶ इसने 319-20 A.D. में एक नए संवत् गुप्त संवत् की स्थापना की।

✶ इसने अपने दाय्ये पर समुद्रगुप्त को भरे दरबार में अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।